महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA

वार्षिक प्रतिवेदन

(ANNUAL REPORT)

सत्रम् 2021 – 22

विक्रम सम्वत् 2078 – 79

(1 जुलाई 2021 - 30 जून 2022)

प्रकाशक

कुलसचिव

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA

देवास मार्ग, उज्जैन (मध्यप्रदेश)- 456010

Email: regpsvvmp@rediffmail.com, Website: www.mpsvv.ac.in

Scanned with CamScanner

महर्षिपाणिनि-संस्कृत-एवं-वैदिकविश्वविद्यालयः
उज्जैनम् मध्यप्रदेशः

कुलगानम्

श्रीविशालामहाकालशिप्राङ्गणे
पाणिनेर्विश्वविद्यालयो राजते ।। (ध्रुवपङ्क्तिः)
श्रीविशाला.....

वेदवेदाङ्गसाहित्यशिक्षाकला-
योगवेदान्तशास्त्रादिमीमांसया ।
कालिदासादिविद्वत्प्रभाभासिता
सा सभा विक्रमस्य ग्रावृत्ता पुनः ।।1।।
श्रीविशाला.....

धाम्नि सान्दीपनेः कृष्णभक्त्यन्विते
मुक्तये ब्रह्मनिर्वाणशीला वयम् ।
भौतिकं मङ्गलं शक्तिमाध्यात्मिकीं
नैतिकोत्कर्षरीतिं च शिक्षामहे ।।2।।
श्रीविशाला.....

विश्वबन्धुत्वभावैकलक्ष्योन्मुखो
राष्ट्रनिर्माणकार्ये च दीक्षारतः ।।
संस्कृतं नाम दैवीं गिरां संस्कृति-
मुद्यतोऽयं पुना राजितुं भूतले ।।3।।

श्रीविशालामहाकालशिप्राङ्गणे
पाणिनेर्विश्वविद्यालयो राजते ।।

Scanned with CamScanner

वार्षिक प्रतिवेदन
(ANNUAL REPORT)

संस्कृत भाषा एवं प्राचीन ज्ञान-विज्ञान परम्परा के संरक्षण अभिवर्धन एवं उन्मुखीकरण के लिए मध्यप्रदेश शासन के संकल्प से महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 क्रमांक 15 सन् 2008 द्वारा मध्यप्रदेश की प्राचीन पौराणिक नगरी उज्जैन में महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी। अपने स्थापना वर्ष से वर्तमान सत्र तक इस विश्वविद्यालय को स्थापित हुए कुल 13 वर्ष की अवधि पूर्ण हो चुकी है। यह विश्वविद्यालय सकारात्मक सृजन एवं उत्कर्ष की मूल भावना के साथ शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रोत्थान के नैतिक उत्तरदायित्व निभाने में सक्षम नागरिकों के निर्माण हेतु कृतसंकल्प है। भारतीय संस्कृति के मूल सिद्धान्तों में निहित ज्ञाननिष्ठ, समावेशी, उदात्त, सहिष्णु एवं सार्वभौमिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए समर्पित यह विश्वविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है। संस्कृतभाषा, प्राचीन शास्त्र परम्परा,भारतीय शिक्षा के सन्दर्भ में मूल्यपरक अध्ययन-अध्यापन, अनुसन्धान तथा गवेषणा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। वर्तमान सत्र के क्रियाकलापों सहित विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वर्ष दिनांक 01 जुलाई 2021 से 30 जून 2022 तक का वार्षिक प्रतिवेदन महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय, अधिनियम 2006 क्रमांक 15 सन् 2008 की धारा 43 के अन्तर्गत प्रस्तुत है।

कुलसचिव

Scanned with CamScanner

विश्वविद्यालय का प्रतीकचिह्न तथा आदर्शवाक्य

प्रतीकचिह्न – महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन की स्थापना के उपरान्त विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने हेतु एक प्रतीकचिह्न को स्वीकार किया गया है। इस प्रतीक चिह्न में आभायुक्त देदीप्यमान सूर्य, महाकालेश्वर मन्दिर का उत्तुंग शिखर,कलश एवं ध्वजा विद्यमान है। चिह्न के मध्य में प्रफुल्लित पद्मपुष्प (कमल पुष्प), पद्मपत्र (कमल के पत्ते), वाम एवं दक्षिण दिशा की ओर मुख किये हुए हंसयुगल विद्यमान हैं जो कि निर्मल प्रवहमान जलधारा में स्थित हैं।

विश्वविद्यालय का प्रतीकचिह्न भारतीय चिन्तनसरणि, उदात्तमनीषा, सत्संकल्प तथा दिव्यसंस्कार को अभिव्यञ्जित करता है। आभायुक्त सूर्य की दिव्य कान्ति सत्य एवं ज्ञान के प्रकाश तथा तप की द्योतक है। महाकालेश्वर मन्दिर का उत्तुंग शिखर श्रेष्ठता,उत्कर्ष एवं उन्नति तथा कलशज्ञानामृत के संग्रह एवं संरक्षण का परिचायक है। प्रवहमान ध्वजा उत्साह, ओज एवं प्रसार की सूचक है। प्रफुल्लित कमलपुष्प विविधता में एकात्मता के साथ समृद्धि, पवित्रता, सौन्दर्य तथा सुगन्धि का सन्देश दे रहा है। कमलपत्र निष्काम कर्मयोग एवं समर्पण भाव को अभिव्यक्त कर रहे हैं। हंसयुगल सौम्यता, शुभ्रता, गुणग्राहिता, विवेकशीलता एवं ज्ञान-विज्ञान के परिचायक हैं तथा प्रवाहमान निर्मल जलधारा शास्त्रपरम्परा एवं संस्कृति को अविरल प्रवाहमान रखने, अग्रसारित करने एवं दोषरहित रखने की द्योतक है।

आदर्शवाक्य– विश्वविद्यालय का आदर्श एवं ध्येयवाक्य **"संस्कृतं नाम दैवीवाक्"** है। यह आदर्शवाक्य महाकवि दण्डीकृत काव्यादर्श के प्रथम परिच्छेद की 33वीं कारिका का प्रथम चरण है, जिसका भावार्थ है - "महर्षियों ने संस्कृतभाषा को दिव्यवाणी कहा है"। संस्कृत भाषा पूर्णतः शुद्ध, परिष्कृत, दोष रहित एवं संस्कार युक्त है, अतः दैवी (दिव्य) भाषा है, जिसके व्यवहार मात्र से व्यक्ति देवत्व को प्राप्त होता है।

इस प्रकार विश्वविद्यालय का प्रतीकचिह्न स्वतः अध्यात्म, दर्शन, ज्ञान, विज्ञान, परम्परा, उत्साह, समृद्धि, विवेक तथा संस्कृति के प्रवास का दिव्य समन्वय है।

Scanned with CamScanner

लक्ष्य वाक्य

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के जनक और अधिष्ठाता यह संकल्प लेते हैं कि यह विश्वविद्यालय शास्त्रीय मर्यादा की रक्षा करते हुए देव भाषा संस्कृत तथा उससे निष्पन्न अन्य भाषाओं एवं उनके साहित्य, उनमें उपलब्ध प्राचीन ज्ञान के विशाल सागर जिसमें वैदिक साहित्य और वेदांग तथा उन पर विकसित सम्पूर्ण आगमिक साहित्य, प्राचीन विज्ञान जैसे आयुर्वेद, ज्योतिर्विज्ञान, भूमिति, गणित, रसायनशास्त्र, धातुशास्त्र, ऋतुविज्ञान, विमानशास्त्र, युद्धशास्त्र, अश्वशास्त्र, प्राचीन प्राणिशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र तथा पंच भूतात्मक पर्यावरण से सम्बन्धित विज्ञान, स्थापत्य, वास्तुशिल्प, दृश्य, अभिनेय तथा श्रव्य कलाएँ, दण्डनीति तथा अर्थशास्त्र, धर्मशास्त्र, प्राचीन प्रशासनिक एवं नैयायिक विधान, पारम्परिक इतिहास, सभ्यताओं के आरोह-अवरोह तथा दर्शन की सभी शाखाओं वैदिक-अवैदिक, भारतीय तथा पश्चिमी का संरक्षण, समुन्नयन एवं प्रचार-प्रसार करेगा, जिससे वैश्विक ज्ञान का क्षितिज विस्तृत हो एवं वर्तमान वैश्विक समाज के समक्ष सामाजिक और सारस्वत स्तर पर जो प्रश्न आज खड़े हुए हैं, उनके समुचित उत्तर प्राप्त हो सकें, जिससे स्पष्टतर दिशाओं के उद्घाटन से अधिक सामंजस्यपूर्ण जगत् एवं सुखी मानवता के लिये मार्ग प्रशस्त हो सके। इस प्रयोजन के लिये विश्वविद्यालय अपने परिसर में तथा सम्बद्ध महाविद्यालयों के माध्यम से वैश्विक मानदण्ड अपनाते हुए अध्ययन, अध्यापन और शोध सम्बन्धी सेवाएँ प्रदान करेगा।

विश्वविद्यालय की स्थापना एवम् आरम्भ

1. संस्कृत भाषा एवं प्राचीन ज्ञान-विज्ञान परम्परा के संरक्षण अभिवर्धन एवं उन्मुखीकरण के लिए मध्यप्रदेश की प्राचीन पौराणिक नगरी उज्जैन में मध्यप्रदेश शासन के संकल्प से संस्कृत विश्वविद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इस हेतु शासन द्वारा "महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 (क्रमांक 15 सन् 2008)" के अन्तर्गत 15 अगस्त 2008 को 'महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय' उज्जैन की स्थापना की गई।
2. स्थापना के उपरान्त दिनांक 17 अगस्त 2008 को मध्यप्रदेश राज्य के तत्कालीन मुख्यमन्त्री माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में तत्कालीन राज्यपाल एवं कुलाधिपति माननीय श्री डॉ. बलराम जाखड़ द्वारा विश्वविद्यालय का विधिवत् शुभारम्भ किया गया। उज्जैन के देवास मार्ग स्थित बृजमोहन बिड़ला शोध संस्थान

Scanned with CamScanner

परिसर में शुभारम्भ विधि को सम्पन्न किया गया जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित प्रशासन एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

3. क्षिप्रांजलि न्यास की भूमि में स्थित बृजमोहन बिड़ला शोध संस्थान परिसर के भवन में किराया अनुबन्ध के आधार पर कक्षों को आवंटित कर विश्वविद्यालय का प्रशासनिक कार्यालय दिनांक 17 अगस्त 2008 से विधिवत् प्रारम्भ किया गया। प्रशासनिक कार्यों के अतिरिक्त स्थान की उपलब्धता के आधार पर अध्ययन-अध्यापन आरम्भ करने की दृष्टि से इसी भवन में छात्रों के उपयोग हेतु पुस्तकालय एवं शैक्षणिक कार्यों की गतिविधियाँ भी आरम्भ की गईं।

4. विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु सुरम्य परिसर निर्माण एवं शैक्षणिक उपयोग के लिए मध्यप्रदेश शासन द्वारा उज्जैन नगर के देवास मार्ग पर सीमान्त ग्राम मानपुरा/लालपुर में मुख्य मार्ग पर 10 हेक्टेयर (25 एकड़) भूमि का आवंटन किया गया। विश्वविद्यालय के लिए आवण्टित भूमि का अवलोकन एवं भूमि पूजन मध्यप्रदेश शासन के तत्कालीन मुख्यमन्त्री श्री शिवराजसिंह चौहान के कर-कमलों द्वारा दिनांक 22 जनवरी 2009 को सम्पन्न हुआ।

5. विश्वविद्यालय की स्थापना के मूल सिद्धान्तों को विस्तारित करने के उद्देश्य से दिनांक 25.03.2010 को मध्यप्रदेश विधानसभा द्वारा 'महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय, उज्जैन के अधिनियम में 'एवं वैदिक' शब्द को जोड़ने के सम्बन्ध में संशोधन प्रस्ताव पारित किया गया। उक्त संशोधन पारित होने के उपरान्त इस विश्वविद्यालय का नाम 'महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय' के स्थान पर 'महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय' हुआ।

विश्वविद्यालय की अधोसंरचना एवं विकास कार्य

- विश्वविद्यालय की अधोसंरचना एवं विकास कार्यों के लिए मध्यप्रदेश राज्य शासन से भवन निर्माण, आर.सी.सी. एप्रोच रोड, विद्युतीकरण आदि सम्पूर्ण परिसर के विकास हेतु देवास मार्ग स्थित उज्जैन नगर के सीमान्त भाग में ग्राम मानपुरा/लालपुर में मुख्य मार्ग पर 10 हेक्टेयर भूमि का आवंटन किया गया है।
- भूमि का सर्वे कार्य सम्पन्न होने के पश्चात् वास्तुविद् (आर्किटेक्ट) द्वारा विश्वविद्यालय की भूमि का परीक्षण कर अधोसंरचना विकास हेतु प्रकल्प विन्यास (Concept Planning), शिल्प विन्यास (Architectural Drawing) एवम् अधिविन्यास (Layout) तैयार किया गया है, जिसके अनुसार परिसर में निर्माण कार्य प्रस्तावित हैं।

Scanned with CamScanner

- मध्यप्रदेश शासन के माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलाधिपति जी के द्वारा दिनांक 18 जून 2010 को देवास मार्ग स्थित विश्वविद्यालय परिसर का विधिवत् शिलान्यास सम्पन्न किया गया।
- प्रारम्भिक तौर पर विश्वविद्यालय की अधोसंरचना विकास एवं स्थापना हेतु मध्यप्रदेश शासन द्वारा पाँच (5) करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गयी। उक्त राशि से विश्वविद्यालय परिसर में प्रारम्भिक निर्माण कार्य किए गये हैं, जिनमें भूमि विकास कार्य, आर.सी.सी. एप्रोच रोड, भूमि का समतलीकरण, परिसर की बाउन्ड्रीवॉल, यूटिलिटी ब्लॉक, पार्किंग शेड, शिक्षण हेतु पाँच कक्ष, पतंजलि छात्रावास आदि का निर्माण कार्य शासकीय निर्माण संस्था द्वारा पूर्ण किया जा चुका है।
- विश्वविद्यालय परिसर में अधोसंरचना विकास एवं निर्माण कार्यों के लिए रु. 68.5 करोड़ के अनुदान हेतु प्रस्ताव शासन के समक्ष प्रस्तुत किये गये थे। प्रथम चरण में रु.19 करोड़ का अनुदान स्वीकार करने का प्रस्ताव रखा गया था जिसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु सन् 2008 में मात्र रुपये 5 करोड़ का स्थापना अनुदान ही प्रदान किया गया था। शासन द्वारा प्रदान किये गये उक्त अनुदान के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के अधोसंरचना विकास व निर्माण कार्यों हेतु अन्य कोई भी अनुदान शासन द्वारा अभी तक प्रदान नहीं किया गया है।
- वर्ष 2021-22 में विद्यालय परिसर में योगेश्वर श्रीकृष्ण भवन का निर्माण कार्य राशि रूपये 48 लाख की लागत से 5 करोड़ रूपये के स्थापना अनुदान से करवाया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति एवं उनका कार्यकाल

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन की स्थापना के उपरान्त विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति के रूप में डॉ. मोहन गुप्त (IAS एवं पूर्व सम्भागीय कमिश्नर, उज्जैन) को नियुक्त किया गया था। तदुपरान्त अग्रिम वर्षों में अद्यावधि कार्यकाल पूर्ण करने वाले एवं वर्तमान माननीय कुलपतिगणों का विवरण अधोलिखित है –

क्र.	कुलपति का नाम	दिनांक से	दिनांक तक
1.	डॉ. मोहन गुप्त	17.08.2008	29.08.2011
2.	प्रो. मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी	30.08.2011	11.02.2015
3.	प्रो. रमेशचन्द्र पण्डा	12.02.2015	11.02.2019
4.	प्रो. आशा शुक्ला (प्रभारी)	20.02.2019	08.03.2019
5.	डॉ. पंकज एल. जानी	08.03.2019	18.01.2021
6.	डॉ. अखिलेश कुमार पाण्डेय	19.01.2021	21.08.2021
7	प्रो. विजयकुमार सी.जी.	21.08.2021	निरन्तर

Scanned with CamScanner

विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं उनका कार्यकाल

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन की स्थापना के उपरान्त विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलसचिव के रूप में डॉ.बी.एल. बुनकर को नियुक्त किया गया था। तदुपरान्त अग्रिम वर्षों में अद्यावधि कार्यकाल पूर्ण करने वाले एवं वर्तमान कुलसचिवों का विवरण अधोलिखित है –

क्र.	कुलसचिव का नाम	दिनांक से	दिनांक तक
1	डॉ. बी. एल. बुनकर	17.08.2008	10.06.2010
2	श्री मनोज कुमार तिवारी	10.06.2010	24.06.2015
3	श्री राकेश कुमार चौहान	01.09.2015	10.07.2018
4	श्री मनोज कुमार तिवारी	24.07.2018	13.03.2019
5	श्री एल.एस. सोलंकी	13.03.2019	12.01.2021
6	डॉ. प्रशान्त पुराणिक	13.01.2021	06.08.2021
7	डॉ. दिलीप सोनी	06.08.2021	निरन्तर

इसके अतिरिक्त वर्ष 2011-2015 तक विश्वविद्यालय में मध्य प्रदेश लोकसेवा आयोग द्वारा नियुक्ति प्राप्त उपकुलसचिव के रूप में **डॉ. ए.वी. राव** पदस्थ रहे, जिन्होंने परीक्षा एवं प्रशासन के दायित्वों का निर्वहन किया।

विश्वविद्यालय के प्राधिकारी

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 क्रमांक 15 सन् 2008 की धारा 10 के अनुसार विश्वविद्यालय के प्राधिकारी निम्नलिखित हैं –

(1) साधारण परिषद्
(2) कार्यपरिषद्
(3) विद्यापरिषद्
(4) वित्त समिति, और
(5) ऐसे अन्य प्राधिकारी, जो विनियमों द्वारा विहित किये जायें।

Scanned with CamScanner

साधारण परिषद्

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनिय 2006 क्रमांक 15 सन् 2008 की धारा 11(1) के अनुसार विश्वविद्यालय की साधारण परिषद् का गठन किया गया है। जिसमें निम्नलिखित सदस्य हैं—

एक - पदेन सदस्य

(एक)	मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री	-	अध्यक्ष
(दो)	मध्यप्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग का भारसाधक मन्त्री	-	उपाध्यक्ष
(तीन)	मध्यप्रदेश सरकार के वित्त विभाग का भारसाधक मन्त्री	-	सदस्य
(चार)	विश्वविद्यालय का कुलपति	-	सचिव
(पाँच)	मध्यप्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग का प्रमुख सचिव/सचिव	-	सदस्य
(छः)	मध्यप्रदेश सरकार के वित्त विभाग का प्रमुख सचिव/सचिव	-	सदस्य
(सात)	आयुक्त, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश	-	सदस्य

दो — नाम निर्देशित सदस्य

(आठ) मध्यप्रदेश के संस्कृत महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से संस्कृत अध्यापक/आचार्य के छह प्रतिनिधि, जो संस्कृत में चर्चा या विचार-विमर्श में भाग लेने में समर्थ हों।

(2) खण्ड (आठ) के अधीन सदस्य राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट किए जाएँगे।

विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 13 (1) उपधारा (2) तथा (3) के उपबन्धों के अध्यधीन रहते हुए साधारण परिषद् के सदस्यों की पदावधि चार वर्ष है।

वर्तमान में साधारण परिषद् में नाम निर्दिष्ट सदस्यों का कार्यकाल दिनांक 03/11/2015 को पूर्ण हो चुका है। नवीन सदस्यों का नामनिर्देशन किया जाना प्रस्तावित है।

कार्यपरिषद्

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 क्रमांक 15 सन् 2008 की धारा 16 (1) के अनुसार विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद् का गठन किया गया है। कार्यपरिषद् विश्वविद्यालय का मुख्य कार्यकारी निकाय है। विश्वविद्यालय का प्रशासन, प्रबन्धन तथा नियन्त्रण और उसकी आय, कार्यपरिषद् में निहित है, जो विश्वविद्यालय की सम्पत्ति तथा निधियों को नियन्त्रित और प्रशासित करती है। सत्रान्त में कार्यपरिषद् में निम्नलिखित स्वरूप में विद्यमान रही :-

Scanned with CamScanner

क्र.	नाम	पता	पद
1	प्रो. अखिलेश कुमार पाण्डेय	कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)	अध्यक्ष (चेयरमेन)
2	साधारण परिषद् के दो सदस्य	-	-
3	प्रमुख सचिव	उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन	पदेन सदस्य
4	प्रमुख सचिव	वित्त विभाग, मध्यप्रदेश शासन	पदेन सदस्य
5	डॉ. उपेन्द्र भार्गव	असिस्टेन्ट प्रोफेसर, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन	सदस्य
6	डॉ. संकल्प मिश्र	असिस्टेन्ट प्रोफेसर, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन	सदस्य
7	श्री राजेन्द्र झालानी (अनारक्षित वर्ग)	165, शिवकृपा अलखबाग नगर, उज्जैन	सदस्य
8	श्रीमती किरण शर्मा (अनारक्षित वर्ग)	एफ-2/28, विक्रम विश्वविद्यालय आवास गृह, उज्जैन	सदस्य
9	श्रीमती विद्या जोशी (अनारक्षित वर्ग)	प्राचार्य, श्री राज राजेन्द्र जयंतसेन सुरि शिक्षा महाविद्यालय, उज्जैन	सदस्य
10	श्री भरत बैरागी (अन्य पिछड़ा वर्ग)	यशोदा विहार, 97, त्रिमूर्ति नगर, साक्षी पेट्रोल पम्प के सामने,रतलाम	सदस्य
11	श्री केशर सिंह (अनुसूचित जनजाति वर्ग)	4, दीनदयालपुरम कालोनी (दहाना) जिला धार	सदस्य
12	श्री सुशील वाडिया (अनुसूचित जाति वर्ग)	बी. 18/2, नेहरु नगर, नानाखेडा, उज्जैन	सदस्य
13	डॉ. दिलीप सोनी	कुलसचिव,महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन	सचिव

मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री मंगूभाई जी पटेल के आदेशानुसार राज्यपाल के उपसचिव द्वारा हस्ताक्षरित पत्र क्रमांक एफ-16-1/2014/रास/यू.ए.-4/237 दिनांक 10 फरवरी 2022 के आदेशानुसार विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 की धारा 17 की उपधारा (2) की कण्डिका (छः) में प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए माननीय कुलाधिपति द्वारा कार्यपरिषद् में निम्नलिखित व्यक्तियों के नाम निर्दिष्ट किये गये है –

Scanned with CamScanner

* **अनारक्षित वर्ग –**

1- **श्री राजेन्द्र झालानी आत्मज श्री बद्रीलाल झालानी**
165, शिवकृपा अलखबाग नगर, उज्जैन

2- **श्रीमती किरण शर्मा पति डॉ. रमण सोलंकी**
एफ-2/28, विक्रम विश्वविद्यालय आवास गृह, उज्जैन

3- **श्रीमती विद्या जोशी पति श्री दिलीप जोशी**
प्राचार्य, श्री राज राजेन्द्र जयंतसेन सुरि शिक्षा महाविद्यालय, उज्जैन

* **अनुसुचित जनजाति वर्ग –**

1- **श्री केशर सिंह चौहान**
4, दीनदयालपुरम कालोनी (दहाना) जिला धार

* **अनुसूचित जाति वर्ग –**

1- **श्री सुशीला वाडिया आत्मज श्री अशोक वाडिया**
बी. 18/2, नेहरु नगर, नानाखेडा, उज्जैन

* **अन्य पिछड़ा वर्ग –**

1- **श्री भरत बैरागी**
यशोदा विहार, 97, त्रिमूर्ति नगर, पेट्रोल पम्प के सामने, रतलाम

माननीय कुलपति जी द्वारा विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 (15-8) की कण्डिका की धारा 17 (2) (पांच) **'विश्वविद्यालय के दो पूर्णकालिक अध्यापक, जो ज्येष्ठता सह-योग्यता के अनुसार चक्रानुक्रम द्वारा होंगे'** के प्रावधानान्तार्गत नाम निर्दिष्ट किया गया।

1- **डॉ. उपेन्द्र भार्गव**
असिस्टेन्ट प्रोफेसर, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

2- **डॉ. संकल्प मिश्र**
असिस्टेन्ट प्रोफेसर, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

(विद्यापरिषद्)

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2006 की धारा 23(1) के अन्तर्गत गठित 'विद्यापरिषद्' विश्वविद्यालय के शिक्षण, शिक्षा तथा परीक्षा मानकों पर नियन्त्रण रखती है। यह परिषद् विद्यासम्बन्धी प्रस्तावों पर विचार कर कार्यपरिषद् को अनुशंसा करती है।

Scanned with CamScanner

वित्त समिति

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2006 की धारा 26(1)के अन्तर्गत गठित 'वित्त-समिति' विश्वविद्यालय के वार्षिक बजट का परीक्षण और उसकी संवीक्षा और वित्तीय मामलों में कार्यपरिषद् को अनुशंसाएँ करती है तथा नवीन व्ययों के लिए समस्त प्रस्तावों पर विचार कर कार्यपरिषद् को अनुशंसा करती है। यह विश्वविद्यालय की वित्त सम्बन्धी मामलों की प्रधान समिति है ।

विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था

- महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक वर्ग की नियुक्ति हेतु दिनांक 31.08.2008 को स्टाफिंग पेटर्न शासन को भेजा गया था। इसमें 50 शैक्षणिक तथा 223 गैर शैक्षणिक पदों की स्वीकृति हेतु शासन के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।
- दिनांक 29.03.2010 को प्रमुख सचिव, वित्त विभाग के समक्ष उनके कक्ष में आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग, अपर सचिव, राजभवन तथा तत्कालीन कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन की संयुक्त बैठक में 30 शैक्षणिक एवं 17 गैर-शैक्षणिक पदों हेतु वित्त विभाग, मध्यप्रदेश शासन ने स्वीकृति प्रदान की थी। तदनुसार उच्च शिक्षा विभाग के आदेश क्रमांक एफ-1-11/3-38, दिनांक 10/08/2010 द्वारा स्वीकृत पदों का विवरण निम्नानुसार है :-

शैक्षणिक -

क्र.	पद का नाम	पद
1	प्रोफेसर	05
2	एसोसिएट प्रोफेसर	10
3	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	15
	कुल पद	30

गैर-शैक्षणिक -

क्र.	पद का नाम	पद
1	कुलपति	01
2	कुलसचिव	01
3	वित्त अधिकारी (म.प्र. राज्य वित्त सेवा से)	01
4	स्टेनो	01

Scanned with CamScanner

5	सहायक ग्रेड 3	03
6	भृत्य	04
7	सुरक्षाकर्मी एवं चौकीदार (कलेक्टर दर पर)	02
8	विश्वविद्यालय अभियंता (प्रतिनियुक्ति पर)	01
9	ड्रायवर	02
10	स्वीपर (कलेक्टर दर पर)	01
	कुल पद	17

उपर्युक्त सारणी में प्रदर्शित शैक्षणिक पदों पर में से 7 पदों की पूर्ति की जा चुकी है तथा शेष 23 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया प्रस्तावित है।

गैर शैक्षणिक पदों में से 7 गैर शैक्षणिक पदों पर नियुक्तियाँ की जा चुकी हैं। 02 पदों पर कुलपति एवं कुलसचिव कार्यरत रहे। मध्यप्रदेश राज्य वित्त सेवा से वित्त नियन्त्रक के पद पर सेवारत अधिकारी विश्वविद्यालय के वित्ताधिकारी के रूप में कार्यरत रहे। शेष पदों को पुनः विज्ञापित किया जाना प्रस्तावित है।

विश्वविद्यालय के विविध संकायों के अन्तर्गत संचालित विभागों में शैक्षणिक सत्र 2020-21 में निम्नलिखित प्राध्यापक कार्यरत हैं :-

क्र.	नाम	पद
1.	डॉ. तुलसीदास परौहा	ऐसोसिएट प्रोफेसर (साहित्य)
2	डॉ. श्रीमती पूजा उपाध्याय	असिस्टेन्ट प्रोफेसर (भारतीय दर्शन)
3	डॉ. शुभम् शर्मा	असिस्टेन्ट प्रोफेसर (ज्योतिर्विज्ञान)
4	डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी	असिस्टेन्ट प्रोफेसर (नव्यव्याकरण)
5	डॉ. उपेन्द्र भार्गव	असिस्टेन्ट प्रोफेसर(सिद्धान्त ज्योतिष)
6	डॉ. संकल्प मिश्र	असिस्टेन्ट प्रोफेसर (शुक्लयजुर्वेद)

विश्वविद्यालय की माननीय विद्यापरिषद् एवं कार्यपरिषद् के निर्णय उपरान्त आदेश क्रमांक पासं.वि/स्थापन/कु.स./338, दिनांक 19.06.2018 के आदेशानुसार संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संर्वधन केन्द्र के निदेशक (प्रोफेसर) के रूप में भरा गया। उक्त पद पर दिनांक 19.06.2018 से डॉ. मनमोहन लाल उपाध्याय निदेशक (प्रोफेसर) के रुप में कार्यरत थे।

माननीय राज्यपाल के अनुमोदन पश्चात मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय के पत्र क्रमांक 778/320/2021/38-3, दिनांक 24.06.2022 द्वारा डॉ. मनमोहन उपाध्याय की निदेशक पद पर नियुक्ति की त्रुटिपूर्ण कार्यवाही को अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा विभाग

Scanned with CamScanner

मध्यप्रदेश शासन डॉ. मनमोहन उपाध्याय जो कि निदेशक संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संर्वधन केन्द्र के रूप में महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन कि नियुक्ति को निरस्त/शून्य घोषित शासन के अनुमोदन पश्चात् विश्वविद्यालय सक्षम निकाय ने किया है।

गैर-शैक्षणिक पदों में सहायक ग्रेड-3 पद हेतु 01,भृत्य पद हेतु 04 तथा वाहन चालक पद हेतु 02 कर्मचारी वर्तमान वर्ष में कार्यरत रहे। विश्वविद्यालय का प्रशासनिक कार्य सुचारु रूप से चलाने हेतु राज्य शासन से स्वीकृत पदों के अतिरिक्त गैर- शैक्षणिक पद सृजित करने का अनुरोध किया गया है जिस पर शासन का निर्णय अपेक्षित है।

विश्वविद्यालय में प्रतिवेदनाधीन अवधि में प्रशासनिक व्यवस्था निम्नानुसार रही:-

क्र.	प्रशासनिक पद	अधिकरी का नाम	कार्यकाल की स्थिति
1.	कुलपति	प्रो. विजय कुमार सी.जी.	21.08.2021 से निरंतर
		प्रो. अखिलेश कुमार पाण्डेय	19.01.2021 से 21.08.2021 तक
		डॉ. पंकज एल. जानी	08.03.2019 से 18.01.2021 तक
2.	कुलसचिव	डॉ. दिलीप सोनी	06.08.2021 से निरंतर
		डॉ. प्रशान्त पुराणिक	13.01.2021 से 05.08.2021 तक
		डॉ. एल. एस. सोलंकी	13.03.2019 से 12.01.2021 तक
3.	वित्त नियंत्रक	श्री दिनेश चौरसिया	19.01.2022 से निरंतर
		श्री आदित्य नागर	07.10.2020 से 18.10.2022 तक
		श्री एच. एस. गेहलोत	28.07.2019 से 30.09.2020 तक

परिसर विकास की योजनाओं का वित्तीय अनुमान

राज्य शासन की नीति अनुरूप संस्कृत विश्वविद्यालय को उत्कृष्ट बनाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय की भवन निर्माण तथा परिसर विकास की योजनाओं का आँकलन किया गया तथा आवश्यकतानुसार समय-समय पर राज्यशासन को वित्तीय प्रावधान करने तथा विश्वविद्यालय को तदनुसार धनराशि सुविधानुसार उपलब्ध हो सके, इस परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में निर्माण तथा परिसर की आवश्यकता का प्रारम्भिक आँकलन विश्वविद्यालय के वास्तुविद् से कराया गया है। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, प्रशासनिक सुविधाओं, स्टाफ की सुविधाओं, विद्यार्थियों की सुविधाओं तथा परिसर के विकास के लिये लगभग रुपये 42 करोड़ का प्रारम्भिक व्यय आँका गया है। प्रस्तावित भवन निर्माण तथा परिसर विकास की संक्षिप्त रूपरेखा निम्नानुसार है:-

Scanned with CamScanner

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDHYALAYA, UJJIAN		
SUMMARY		
S. No.	ITEM DESCRIPTION	AMOUNT
1	ACADEMIC FACULTIES	41119160/-
2	ADIMINISTRATIVE BLOCK	15913640/-
3	AUDITORIUM	20860480/-
4	GUEST HOUSE	19005072/-
5	RESIDENTIAL QUARTERS	54792968/-
6	STAFF(OFFICE)	15792440/-
7	REGISTERAR BUNGALOW	5646560/-
8	VICE CHANCELLOR BUNGALOW	8415840/-
9	BOYS HOSTEL	45864690/-
10	GIRLS HOSTEL	13470120/-
11	LIBRARY & SEMINAR HALL	31082160.63/-
12	BHARAT KA RANGMANCH	6568650/-
13	VEDH SHALA	15536700/-
14	CLUB HOUSE	436130/-
15	DISPENCERY	1977345/-
16	CONVENIETNT SHOPPING	7258500/-
17	OPEN AIR THEATER	12605175/-
18	SWIMMING POOL	12459730/-
19	OUTER DEVELOPMENT	45106250/-
	TOTAL	377836610.63/-
	Add for Contingencies, Consultany, Work Charge Estabilishment @ 10.65%	40239599.03/-
	Grand Total	418076209.66/-
	Say Rs. In Cr.	41.81/-

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अन्तर्गत मान्यता

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) नई दिल्ली अधिनियम की धारा 2 (f) के अधीन मान्यता प्राप्त है। विश्वविद्यालय द्वारा यू.जी.सी. की धारा 12 (बी) के अन्तर्गत मान्यता एवं आर्थिक अनुदान प्रदान करने के लिये पात्रता हेतु पत्र क्रमांक 2713, दिनांक 10 सितम्बर 2010 द्वारा आवेदन किया गया था। आर्थिक अनुदान की पात्रता प्रदान करने के लिये आयोग द्वारा शर्तें निर्धारित की गई हैं जिन्हें पूर्ण करने के उपरान्त ही विश्वविद्यालय को अनुदान प्राप्त हो सकेगा।

Scanned with CamScanner

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अधिनियम की धारा 12 (बी) में मान्यता प्राप्त होने के उपरान्त विश्वविद्यालय की विकासात्मक योजनाओं का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा।

विश्वविद्यालय के संकाय एवं विभाग

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2006 क्र. 15 सन् 2008 की धारा 24 (तीन) एवं 33 (ञ) के अन्तर्गत् विनिर्मित परिनियम क्र. 15 के अनुसार प्रस्तुत प्रतिवेदन के सन्दर्भ में आलोच्य वर्ष में निम्नलिखित संकायों का गठन किया गया है तथा उनके अन्तर्गत संचालित अधोनिर्दिष्ट विभागों में शिक्षण/अध्यापन कार्य जारी रहा:-

वेद वेदाङ्ग एवं साहित्य संकाय

1.1 वेद एवं व्याकरण विभाग
1.2 संस्कृत साहित्य एवं दर्शन विभाग
1.3 ज्योतिष एवं ज्योतिर्विज्ञान विभाग

दर्शन संकाय

1. न्याय दर्शन विभाग

कला संकाय

1. विशिष्ट संस्कृत विभाग

प्राचीन विज्ञान संकाय

1. योग विभाग

शिक्षा संकाय

1. शिक्षाशास्त्र विभाग
2. संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केन्द्र

उपर्युक्त विभागों में सत्र 2021-22 में स्नातक स्तर पर शास्त्री/ बी.ए./ बी.ए. ऑनर्स/ बी.ए.बी.एड. एकीकृत तथा स्नातकोत्तर स्तर पर आचार्य/ एम.ए. तथा पत्रोपाधि (डिप्लोमा) पाठ्यक्रम तथा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम की कक्षाएँ संचालित हो रही हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम 2009 तथा संशोधित अनुसार विश्वविद्यालय में शोध एवं अनुसंधान पाठ्यक्रमों में विद्यावारिधि (पीएच्.डी.) संचालित है।

Scanned with CamScanner

विश्वविद्यालय की विविध समितियाँ

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं विश्वविद्यालय, उज्जैन के प्रशासनिक, शैक्षणिक अकादमिक, वित्तीय एवं अन्य कार्यों के सुचारु रूप से संचालन एवं सम्पादन करने के लिए विश्वविद्यालय विनियमों/परिनियमों में विहित प्रावधान अनुसार प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए माननीय कुलपति महोदय द्वारा प्रशासनिक आदेशानुसार विविध समितियों का विधिपूर्वक गठन किया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है-

1. **भवन समिति**
2. **आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)**
3. **क्रय समिति**
4. **मुद्रण एवं प्रकाशन समिति**
5. **छात्रावास स्थायी समिति**
6. **व्यथा निवारण समिति**
7. **महिला उत्पीड़न निवारण समिति**
8. **महिला विकास समिति**
9. **प्रवेश समिति**
10. **केन्द्रीय परीक्षा समिति**
11. **शोधोपाधि समिति (RDC)**
12. **विभागीय शोध समिति/शोध सलाहकार समिति**
13. **क्रीड़ा समिति**
14. **साहित्यिक समिति**
15. **आकादमिक समिति**
16. **सांस्कृतिक समिति**
17. **युवामहोत्सव आयोजन समिति**
18. **अनुसुचित जाति/जनजाति व्यथा निवारण समिति**

Scanned with CamScanner

विश्वविद्यालय अध्यापन विभागों में संचालित पाठ्यक्रम वर्ष 2020-21

पाठ्यक्रम	विषय	स्तर	अवधि	अर्हता	प्रवेश प्रक्रिया	नियमित/ स्वाध्यायी
विद्यावारिधि (पीएच्.डी.)	वेद/व्याकरण/साहित्य/ज्योतिष /ज्योतिर्विज्ञान/संस्कृत	शोधोपाधि	अधिकतम 4 वर्ष	आचार्य/एम.ए. 55% से उत्तीर्ण	चयन परीक्षा द्वारा	नियमित
एम.फिल्.	वेद/व्याकरण/साहित्य/ज्योतिष /ज्योतिर्विज्ञान/संस्कृत	-	1 वर्ष	एम.ए./ आचार्य	चयन परीक्षा द्वारा	नियमित
आचार्य	संस्कृत साहित्य एवं साहित्य शास्त्र	स्नातकोत्तर	4 सेमेस्टर (2 वर्ष)	शास्त्री या समकक्ष या एम.ए. संस्कृत	प्रावीण्य	नियमित (सेमेस्टर पद्धति)/स्वाध्यायी (वार्षिक पद्धति)
आचार्य	नव्यव्याकरण	स्नातकोत्तर	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-
आचार्य	शुक्लयजुर्वेद	स्नातकोत्तर	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-
आचार्य	फलित ज्योतिष	स्नातकोत्तर	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-
आचार्य	सिद्धान्त ज्योतिष	स्नातकोत्तर	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-
एम.ए.	संस्कृत	स्नातकोत्तर	-वही-	स्नातक या समकक्ष	-वही-	-वही-
एम.ए.	योग	स्नातकोत्तर	-वही-	स्नातक या समकक्ष	-वही-	-वही-
एम.ए.	ज्योतिर्विज्ञान	स्नातकोत्तर	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-
एम.ए.	वास्तुशास्त्र	स्नातकोत्तर	-वही-	-वही-	-वही-	
शास्त्री	शुक्लयजुर्वेद/नव्यव्याकरण/ साहित्य/फलित ज्योतिष/ सिद्धान्त ज्योतिष/न्यायदर्शन	स्नातक	3 वर्ष	उत्तर मध्यमा या 10+2	प्रावीण्य	नियमित एवं स्वाध्यायी
बी.ए.	संस्कृत (ऑनर्स)	स्नातक	3 वर्ष	उत्तर मध्यमा या 10+2	प्रावीण्य	नियमित एवं स्वाध्यायी
पत्रोपाधि (डिप्लोमा)	संस्कृत सम्भाषण/वास्तु शास्त्र/प्रायोगिक ज्योतिष/पौरोहित्य/योग/वैदिक गणित/मालवा-निमाड़ क्षेत्र का ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन	-	1 वर्ष	उत्तर मध्यमा या 10+2	प्रावीण्य	नियमित
प्रमाणपत्र	संस्कृत वाग्व्यवहार/ हस्तरेखा विज्ञान/ प्रश्नशास्त्र/ शकुनविज्ञान/ रत्नज्योतिष/ विवाहविमर्श/ मुहूर्तविज्ञान/ रुद्राभिषेकविधान/ दुर्गासप्तशतीपाठविधान/ महामृत्युंजयजपविधान/ गृहप्रवेशवास्तुशांति/ श्रीमद्भगवद्गीता पाठ	-	1 माह	उत्तर मध्यमा या 10+2	प्रावीण्य	नियमित

Scanned with CamScanner

शैक्षणिक सत्र 2021-22 में विश्वविद्यालय में संचालित अध्यापन विभागों के नियमित पाठ्यक्रमों में कुल 699 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश प्राप्त किया।

वार्षिक प्रतिवेदन के अनुसार वर्तमान आलोच्य वर्ष में विश्वविद्यालय संकायों के अंतर्गत संचालित विविध अध्यापन विभागों में अध्ययनरत स्नातक/स्नातकोत्तर तथा शोधोपाधि पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्र-छात्राओं का विवरण अग्रिम पृष्ठ पर उल्लिखित है:-

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन म.प्र.

विश्वविद्यालय अध्यापन विभाग

प्रवेश छात्र सूची 2021-2022

स्नातक

विषय	सत्र	अजा		अजजा		पिछड़ा		सामान्य		ई.डब्ल्यू. एस.		कुल
		म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	
शास्त्री सिद्धांत ज्योतिष	प्रथम	-	-	-	-	-	-	-	08	-	-	08
	द्वितीय	-	-	-	-	-	-	-	02	-	-	02
	तृतीय	-	-	-	-	-	-	-	01	-	-	01
शास्त्री फलित ज्योतिष	प्रथम	-	-	-	-	-	01	-	30	-	-	31
	द्वितीय	-	-	-	-	-	01	02	12	-	-	15
	तृतीय	-	-	-	-	-	-	-	05	-	-	05
शास्त्री साहित्य	प्रथम	-	-	-	-	-	-	-	09	-	-	09
	द्वितीय	-	-	-	-	-	-	-	13	-	-	13
	तृतीय	-	-	-	-	-	01	01	03	-	-	05
शास्त्री शुक्ल यजुर्वेद	प्रथम	-	-	-	-	-	01	-	32	-	-	33
	द्वितीय	-	-	-	-	-	-	-	05	-	-	05
	तृतीय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	00
शास्त्री नव्यव्याकरण	प्रथम	-	-	-	-	-	01	-	14	-	-	15
	द्वितीय	-	-	-	-	-	-	-	03	-	-	03
	तृतीय	-	-	-	-	-	-	-	04	-	-	04
शास्त्री न्याय दर्शन	प्रथम	-	-	-	-	-	-	-	03	-	-	03
	द्वितीय	-	-	-	-	-	-	-	01	-	-	01
	तृतीय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	00
बी.ए. संस्कृत	प्रथम	-	-	-	-	-	-	-	03	-	-	03
	द्वितीय	-	-	-	-	-	-	01	01	-	-	02
	तृतीय	01	-	-	-	01	01	01	06	-	-	10
बी.ए. बीएड	प्रथम	01	-	-	-	01	04	01	15	-	-	22
	द्वितीय	-	01	-	-	01	-	01	17	-	-	20
	तृतीय	01	-	-	-	01	01	03	21	-	-	27
	चतुर्थ	01	-	-	-	01	-	04	20	-	-	26
									कुल छात्र संख्या	योग		263

Scanned with CamScanner

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन म.प्र.

विश्वविद्यालय अध्यापन विभाग

प्रवेश छात्र सूची 2021-2022

स्नातकोत्तर

विषय	सत्र	अजा		अजजा		पिछड़ा		सामान्य		ई.डब्ल्यू.एस.		कुल
		म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	
एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान	प्रथम	-	-	-	-	01	03	05	21	-	-	30
	द्वितीय	-	-	-	-	01	-	-	15	-	-	16
एम.ए. संस्कृत/ विशिष्ठ संस्कृत	प्रथम	-	-	-	-	04	04	02	11	-	-	21
	द्वितीय	01	-	-	-	-	-	05	11	-	-	17
एम.ए. योग	प्रथम	02	01	01	-	02	02	05	07	-	-	20
	द्वितीय	04	02	-	-	06	04	21	08	-	-	45
एम.ए. वास्तु शास्त्र	प्रथम	-	01	-	-	01	02	04	10	-	-	18
	द्वितीय	-	-	-	-	01	-	06	11	-	-	18
एम.ए. फलित ज्योतिष	प्रथम	-	-	-	-	-	-	-	17	-	-	17
	द्वितीय	01	-	-	-	-	-	01	05	-	-	06
आचार्य न्याय दर्शन	प्रथम	-	-	-	-	-	-	-	02	-	-	02
	द्वितीय	01	-	-	-	-	-	-	-	-	-	00
आचार्य शुक्लयजुर्वेद	प्रथम	-	-	-	-	-	-	-	09	-	-	09
	द्वितीय	-	-	-	-	-	-	-	05	-	-	05
आचार्य सिद्धांत ज्योतिष	प्रथम	-	-	-	-	-	-	-	05	-	-	05
	द्वितीय	-	-	-	-	-	-	-	03	-	-	03
आचार्य नव्यव्याकरण	प्रथम	-	-	-	-	-	-	-	04	-	-	04
	द्वितीय	-	-	-	-	-	-	-	04	-	-	04
आचार्य अद्वैत वेदान्त	प्रथम	-	-	-	-	-	-	02	-	-	-	02
	द्वितीय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	00
आचार्य साहित्य	प्रथम	-	-	-	-	-	03	01	10	-	-	14
	द्वितीय	-	-	-	-	-	01	-	09	-	-	10
										कुल छात्र संख्या	योग	266

Scanned with CamScanner

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन म.प्र.

विश्वविद्यालय अध्यापन विभाग

प्रवेश छात्र सूची 2021-2022

डिप्लोमा

डिप्लोमा	अजा		अजजा		पिछड़ा		सामान्य		ई.डब्ल्यू.एस.		कुल
	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	
यू.जी. योग	-	02	-	-	01	01	04	04	-	-	12
पी.जी. योग	01	01	-	-	01	01	03	05	-	-	12
यू.जी. पौरोहित्य	-	-	-	-	-	-	01	18	-	-	19
पी.जी. पौरोहित्य	-	01	-	-	-	01	-	13	-	-	15
संस्कृत संभाषण	-	-	-	-	01	01	02	10	-	-	14
वास्तुशास्त्र	-	-	-	-	-	01	01	11	-	-	13
ज्योतिर्विज्ञान	-	-	-	-	-	-	02	22	-	-	24
वैदिक गणित	01	-	-	-	-	01	-	01	-	-	03
मंदिर प्रबंध	-	-	-	-	-	02	01	17	-	-	30
पी.जी.डी.सी.ए.	-	-	-	-	-	01	-	-	-	-	01
	कुल छात्र संख्या									योग	143

प्रवेश छात्र सूची 2021-2022

पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

डिप्लोमा	अजा		अजजा		पिछड़ा		सामान्य		ई.डब्ल्यू.एस.		कुल
	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	
संस्कृत वाग्व्यवहार	-	-	-	-	-	01	-	-	-	-	01
हस्तरेखा	-	-	-	-	-	01	-	01	-	-	02
प्राचीनशास्त्र	-	-	-	-	-	-	-	02	-	-	02
	कुल छात्र संख्या									योग	05

परीक्षा एवं शोध छात्र सूची 2021-2022

विद्यावारिधि (Ph.D.)

डिप्लोमा	अजा		अजजा		पिछड़ा		सामान्य		ई.डब्ल्यू.एस.		कुल
	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	
विद्यावारिधि (Ph.d.)	02	01	-	-	05	-	03	11	-	-	22
	कुल छात्र संख्या									योग	22

Scanned with CamScanner

तृतीय दीक्षान्त समारोह

आलोच्य सत्र में विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षान्त समारोह दिनांक 25 मार्च 2022 को आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह मध्यप्रदेश की माननीय राज्यपाल महोदय एवं कुलाधिपति श्री मंगूभाई पटेल जी की अध्यक्षता में, मध्यप्रदेश शासन के उच्चशिक्षा मन्त्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में तथा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आचार्य श्रीनिवास वरखेडी के सारस्वत आतिथ्य में पारम्परिक वेषभूषा में उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। समारोह में विशिष्टा अतिथि के रूप में विधायक एवं पूर्व मन्त्री श्री पारस जैन तथा सांसद श्री अनिल फिरोजिया तथा मार्गदर्शक प्रो. विजय कुमार सी.जी., कुलपति मञ्च पर उपस्थित रहे। सत्र 2021-22 में विश्वविद्यालय के वेद वेदाङ्ग एवं साहित्य संकाय, कला संकाय, दर्शन संकाय, एवं प्राचीन विज्ञान संकायों के पाठ्यक्रमों को सफलता पूर्वक उत्तीर्ण करने वाले कुल 46 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गयीं। जिनमें से 04 छात्रों को पीएच् डी उपाधि प्रदान की गयी। विद्यार्थियों को उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्रदान किये गये।

कुलाधिपति महोदय ने अपने दीक्षान्त उद्बोधन में समस्त उपाधि प्राप्तकर्ता छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि छात्र समाजकल्याण में शिक्षा का प्रयोग करें एवं लक्ष्य प्राप्ति हेतु निरन्तर प्रयत्नशील रहें। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा शास्त्रार्थ परम्परा के पुनर्जागरण हेतु प्रसन्नता व्यक्त की। छात्रों को आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि संस्कृतविद्या विद्यार्थी को आत्मनिर्भर बनाती है। विश्वविद्यालय में डिग्री पाठ्यक्रमों के साथ ही डिप्लोमा तथा सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों ने ग्रन्थ लिखे, यह अभिनन्दनीय है।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित उच्चशिक्षा मन्त्री डॉ. मोहन यादव ने शोध कार्य को महत्व देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के भौतिक विकास के लिए हम सदैव प्रयत्नशील रहे हैं। इसी विचार को साकार करते हुए यथाशीघ्र विश्वविद्यालय के गरिमामयी स्वरूप के लिए शासन योजनारत है। सारस्वत अतिथि ने कहा कि दीक्षान्त के बिना शिक्षा व्यर्थ है। शिक्षा और दीक्षा दोनों आवश्यक हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. ने कहा कि विगत सत्र से छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है।

Scanned with CamScanner

विश्वविद्यालय के परिनियम, अध्यादेश एवं विनियम

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 क्रमांक 15 सन् 2008 में विहित प्रावधानों के अनुरूप विश्वविद्यालय के 19 परिनियम, 20 अध्यादेश तथा 8 विनियम तैयार कराये गये हैं तथा उन्हें विश्वविद्यालय की साधारण सभा के अनुमोदन की प्रत्याशा में समन्वय समिति एवं समन्वय समिति की स्थायी समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समन्वय समिति के समक्ष रखा जाकर उनका परीक्षण कर लिया गया है और समन्वय समिति की बैठक दिनांक 02.09.2010 में उनको प्रस्तुत हुआ मान लिया गया है। साधारण सभा की विगत बैठक दिनांक 20.11.2012 में इनका अनुमोदन हो गया है। परिनियम, अध्यादेश एवं विनियम की सूची निम्नानुसार है:-

परिनियम (STATUTES) की सूची :-

1. Terms and conditions of service of the Vice-Chancellor.
2. Powers and dutiees of the Vice-Chancellor.
3. The Registrar- his emoluments and conditions of service, Powers and duties.
4. New pension scheme.
5. Convocation.
6. Honorary degree.
7. Admission of colleges/institutions to the privileges of the University and withdrawal there of.
8. College code.
9. Autonumous colleges.
10. Scales of pay of Professors, Readers and Lectures.
11. Administration of endowments.
12. Conditions of service for Unicersity empolyees.
13. Seniority of officers and employees of the University.
14. Appointent of examiners.
15. faculites and assignment of subjects to the Faculties.
16. Powers, functions, appointments and conditions of of service of Heads of the University Teching Departments/Institutes/Academic Units.
17. Building committee.
18. Establishment of University Teaching Departments & institution teaching posts.
19. Appointment of non-teaching employees.

Scanned with CamScanner

अध्यादेश (ORDINANCES) की सूची

1. Admission of students to a college or University Teaching Department, transfer of students and maintenance of discipline.
2. Enrolment of students and their admission to courses of study.
3. Examinations (General)..
4. Conduct of examinations.
5. The conditions of the award of fellowships and scholarships.
6. Travelling allowance and daily allowance.
7. Semester system at postgraduate level.
8. Semester system at undergraduate lelel.
9. Doctor or philosopy/Vidhya Varidhi.
10. Maintenance of discipline among the students and Proctorial Board.
11. Institution of Emeritus Professorship, Honorary Professorship and Adjunct Honorary Professorship.
12. Examination and other fees.
13. Grading system in the examinations.
14. Degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions to be awarded by the University and qualifications for the same and the examinations leading to Degree, diplomas and certioficates.
15. Qualifications and conditions of appointement of techers of the University Teaching Departments.
16. Master of Philosophy. (M.Phil)
17. Diploma Courese.
18. Bechalor of Arts (Prachya Paddhati) classice.
19. Master of arts (classics) (Prachya Paddhati)
20. Shiksha Shastr (B.Ed)

विनियमों (REGULATIONS) की सूची

1. Annual Report
2. Function and duties of Finance Officer
3. Other officers of the University – condition of service, powers and duties
4. Preparation and maintenance of academic seniority lists
5. Seniority of teachers of the University
6. Seniority of Heads of departments in in affiliated colleges
7. Academic Planning and Evaluation Board

Scanned with CamScanner

उपाधि विवरण

विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् सन् 2009-10 से परीक्षाओं का आयोजन प्रारम्भ किया। इस विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण मध्यप्रदेश है। अतः प्रदेश के जो महाविद्यालय अपने-अपने क्षेत्र के विश्वविद्यालयों से सम्बद्ध थे, इस विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् वे समस्त महाविद्यालय इस विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हो गये। सम्बन्धित विश्वविद्यालयों द्वारा जिन उपाधियों की परीक्षा आयोजित की जा रही थीं, उन्हीं उपाधियों की परीक्षाएँ इस विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित करना प्रारम्भ कर दिया। सम्प्रति इस विश्वविद्यालय द्वारा निम्नलिखित परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है:-

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	पद्धति	अवधि
1	शास्त्री/ बी.ए.	वार्षिक पद्धति	तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम
2	शास्त्री शिक्षा शास्त्री (बी.ए.बी.एड. एकीकृत)	वार्षिक पद्धति	चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम
3	आचार्य/ एम.ए.	सेमेस्टर पद्धति	दो वर्षीय/चार सेमेस्टर स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम
4	पत्रोपाधि (डिप्लोमा)	वार्षिक पद्धति	एक वर्षीय पाठ्यक्रम
5	एम.फिल्.	-	यू.जी.सी. के नियमानुसार
6	विद्यावारिधि (पीएच्.डी.)	-	यू.जी.सी. के नियमानुसार

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की संख्या					
	प्रबन्धन			विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्यता प्राप्त	
वर्ष	शासकीय	गैर-शासकीय	कुल	12 (बी)	2 (एफ)
2021-22	09	11	20	03	04

Scanned with CamScanner

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की सूची

1. शासकीय वेंकट संस्कृत महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)
2. शासकीय अभयानंद संस्कृत महाविद्यालय, कल्याणपुर, जिला-शहडोल (म.प्र.)
3. शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, भितरी, जिला- सीधी (म.प्र.)
4. शासकीय पुरुषोत्तम संस्कृत महाविद्यालय, खजुरीताल, जिला-सतना (म.प्र.)
5. शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, देवेन्द्रनगर, जिला- पन्ना (म.प्र.)
6. शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, लश्कर, ग्वालियर (म.प्र.)
7. शासकीय रामानन्द संस्कृत महाविद्यालय, लालघाटी, भोपाल (म.प्र)
8. शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, रामबाग, इन्दौर (म.प्र.)
9. शासकीय मानमल मीमराज रुइया संस्कृत महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र)
10. नगर निगम श्री लोकनाथ शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, गोविन्दगंज, जबलपुर (म.प्र.)
11. श्री नारायण संस्कृत महाविद्यालय, कटनी (म.प्र.)
12. श्री गणेश दिगम्बर जैन संस्कृत महाविद्यालय, वर्णी भवन, सागर (म.प्र)
13. श्री रामनाम संस्कृत महाविद्यालय, अक्षयवट, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)
14. श्री ऋषि कुमार संस्कृत महाविद्यालय, पीली कोठी, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)
15. श्री राम संस्कृत महाविद्यालय, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)
16. श्री पीताम्बरा पीठ संस्कृत महाविद्यालय, दतिया (म.प्र.)
17. श्री रावतपुरा सरकार संस्कृत महाविद्यालय,रावतपुरा धाम, लहार,जिला भिंड (म.प्र.)
18. श्री गणेश संस्कृत महाविद्यालय, गढ़ाकोटा, सागर (म.प्र.)
19. श्री मधुकर शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, देवासमार्ग, उज्जैन (म.प्र.)
20. श्री आद्या एज्यूकेशनल इन्स्टीट्यूट, उज्जैन (म.प्र.)

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में अध्यापकों की स्थिति

महाविद्यालय	प्राचार्य		प्रोफेसर		रीडर/एसोसिएट प्रोफेसर		लेक्चरर/असि. प्रोफेसरयोग		योग	
	योग	महिला	योग	महिला	योग	महिला	योग	महिला	योग	महिला
20	09	01	14	05	20	03	47	14	89	22

Scanned with CamScanner

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रम वर्ष 2021-22

पाठ्यक्रम	विषय	पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम की अवधि	प्रवेश की अन्तिम योग्यता	प्रवेश की प्रक्रिया	अध्यापन का चलन
आचार्य	संस्कृत साहित्य एवं साहित्य शास्त्र	स्नातकोत्तर	2 वर्ष	शास्त्री या समकक्ष या एम.ए. संस्कृत	प्रावीण्य	नियमित (सेमेस्टर/ वार्षिक पद्धति) एवं स्वाध्यायी (वार्षिक पद्धति)
आचार्य	शुक्लयजुर्वेद	वही	वही	वही	वही	वही
आचार्य	नव्यव्याकरण	वही	वही	वही	वही	वही
आचार्य	फलितज्योतिष	वही	वही	वही	वही	वही
एम.ए.	संस्कृत – साहित्य	वही	वही	स्नातक या समकक्ष	वही	वही
एम.ए.	संस्कृत प्राच्य	वही	वही	वही	वही	वही
एम.ए.	ज्योतिर्विज्ञान	वही	वही	वही	वही	वही
शास्त्री	निर्धारित परीक्षा योजना के अनुसार	स्नातक	3 वर्ष	उत्तरमध्यमा या समकक्ष	वही	वार्षिक पद्धति
बी.ए.	वही	स्नातक	3 वर्ष	हायर सेकेण्डरी (10+2) या समकक्ष	वही	वही

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में छात्रों की संख्या

वर्ष	एकवर्षीय स्नातक पत्रोपाधि (डिप्लोमा पाठ्यक्रम)			एकवर्षीय स्नातकोत्तर पत्रोपाधि (डिप्लोमा पाठ्यक्रम)			चतुःसत्रार्द्ध स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम			चतुर्वार्षिक स्नातक पाठ्यक्रम		
2021-22	म.	पु.	योग	म.	पु.	योग	म.	पु.	योग	म.	पु.	योग
अ.ज.जा.	0	0	0	0	0	0	135	53	188	442	115	557
अ.जा.	2	1	3	5	1	6	10	10	20	39	9	48
पिछड़ा	11	3	14	15	4	19	29	39	68	45	22	67
दिव्यांग	2	1	3	0	0	0	4	1	5	4	3	7
योग	**241**	**18**	**259**	**62**	**28**	**90**	**715**	**215**	**930**	**1721**	**212**	**1933**

Scanned with CamScanner

विश्वविद्यालय की परीक्षाओं का परीक्षाफल

स्नातक प्रथम वर्ष- 2021-22

नियमित परीक्षार्थी					
शास्त्री	कुल छात्र	477	बी.ए.	कुल छात्र	180
	उत्तीर्ण	313		उत्तीर्ण	65
	पूरक	117		पूरक	110
	अनुत्तीर्ण	47		अनुत्तीर्ण	05
	रुद्ध	20		रुद्ध	00

नियमित परीक्षार्थी		
शास्त्री शिक्षाशास्त्री	कुल छात्र	17
	उत्तीर्ण	17
	पूरक	00
	अनुत्तीर्ण	00
	रुद्ध	00

स्नातक द्वितीय वर्ष –2021-2022

नियमित परीक्षार्थी					
शास्त्री	कुल छात्र	303	बी.ए.	कुल छात्र	208
	उत्तीर्ण	262		उत्तीर्ण	166
	पूरक	20		पूरक	28
	अनुत्तीर्ण	21		अनुत्तीर्ण	14
	रुद्ध	00		रुद्ध	00

नियमित परीक्षार्थी		
शास्त्री शिक्षाशास्त्री	कुल छात्र	18
	उत्तीर्ण	17
	पूरक	01
	अनुत्तीर्ण	00
	रुद्ध	00

Scanned with CamScanner

स्नातक तृतीय वर्ष- 2021-22

नियमित परीक्षार्थी					
शास्त्री	कुल छात्र	288	बी.ए.	कुल छात्र	253
	उत्तीर्ण	236		उत्तीर्ण	228
	पूरक	20		पूरक	13
	अनुत्तीर्ण	32		अनुत्तीर्ण	12
	रुद्ध	00		रुद्ध	00

नियमित परीक्षार्थी		
शास्त्री शिक्षाशास्त्री	कुल छात्र	23
	उत्तीर्ण	21
	पूरक	01
	अनुत्तीर्ण	01
	रुद्ध	00

स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर –2021-22

नियमित परीक्षार्थी					
आचार्य	कुल छात्र	200	एम.ए.	कुल छात्र	204
	उत्तीर्ण	194		उत्तीर्ण	191
	ए.टी.के.टी.	01		ए.टी.के.टी.	08
	अनुत्तीर्ण	04		अनुत्तीर्ण	03
	रुद्ध	01		रुद्ध	02

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर - 2021-22

नियमित परीक्षार्थी					
आचार्य	कुल छात्र	119	एम.ए.	कुल छात्र	207
	उत्तीर्ण	112		उत्तीर्ण	205
	ए.टी.के.टी.	00		ए.टी.के.टी.	02
	अनुत्तीर्ण	07		अनुत्तीर्ण	00
	रुद्ध	00		रुद्ध	00

Scanned with CamScanner

डिप्लोमा 2021-22

डिप्लोमा	कुल छात्र	312
	उत्तीर्ण	285
	पूरक	00
	अनुत्तीर्ण	27
	रुद्ध	00

स्वाध्यायी परीक्षार्थियों के लिए वार्षिक परीक्षा - 2021-22

शास्त्री प्रथम वर्ष	कुल छात्र	25	बी.ए. प्रथम वर्ष	कुल छात्र	01
	उत्तीर्ण	08		उत्तीर्ण	00
	पूरक	11		पूरक	01
	अनुत्तीर्ण	06		अनुत्तीर्ण	00
	रुद्ध	00		रुद्ध	00
शास्त्री द्वितीय वर्ष	कुल छात्र	24	बी.ए. द्वितीय वर्ष	कुल छात्र	12
	उत्तीर्ण	19		उत्तीर्ण	06
	पूरक	02		पूरक	03
	अनुत्तीर्ण	03		अनुत्तीर्ण	03
	रुद्ध	00		रुद्ध	00
शास्त्री तृतीय वर्ष	कुल छात्र	20	बी.ए. तृतीय वर्ष	कुल छात्र	22
	उत्तीर्ण	14		उत्तीर्ण	14
	पूरक	01		पूरक	04
	अनुत्तीर्ण	05		अनुत्तीर्ण	04
	रुद्ध	00		रुद्ध	00

Scanned with CamScanner

आचार्य पूर्वार्ध	कुल छात्र	79	एम.ए. पूर्वार्ध	कुल छात्र	53
	उत्तीर्ण	71		उत्तीर्ण	45
	पूरक	01		पूरक	00
	अनुत्तीर्ण	06		अनुत्तीर्ण	08
	रुद्ध	01		रुद्ध	00

आचार्य उत्तरार्ध	कुल छात्र	31	एम.ए. उत्तरार्ध	कुल छात्र	54
	उत्तीर्ण	30		उत्तीर्ण	49
	पूरक	00		पूरक	01
	अनुत्तीर्ण	01		अनुत्तीर्ण	04
	रुद्ध	00		रुद्ध	00

कुल छात्र संख्या का योग

स्नातक			स्नातकोत्तर			डिप्लोमा		
	नियमित	1767		नियमित	730		नियमित	312
	स्वाध्यायी	104		स्वाध्यायी	217			
	योग	1871		योग	947			312
						महायोग		3130

विश्वविद्यालय के कार्यक्रम

सत्र 2021-22

❖ **स्वतन्त्रता दिवस समारोह**

दिनाङ्क 15/08/2021 को विश्वविद्यालय परिवार द्वारा स्वतन्त्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार पाण्डेय ने ध्वजारोहण के उपरान्त विश्वविद्यालय परिवार को सम्बोधित किया।

❖ **स्थापना दिवस समारोह**

दिनांक 17 अगस्त 2021 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय का 13 वाँ स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार पाण्डेय, कुलसचिव डॉ. दिलीप कुमार सोनी, विभागाध्यक्ष डॉ. तुलसीदास

Scanned with CamScanner

परौहा तथा अध्यापकगण की उपस्थिति में वैदिक मंगलाचरण तथा दीप दीपन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर 13 औषधीय पादपों का रोपण किया गया। कुलपति जी ने कहा कि नई शिक्षा नीति में संस्कृति, संस्कार एवं राष्ट्र का पर्याप्त ध्यान रखा गया है। शिक्षा जन जन तक पहुँचे तथा छात्र गण किसी भी विषय का ज्ञान कर सकें इस उद्देश्य से हम अपने विश्वविद्यालय को परिष्कृत कर रहे हैं। कुलपति जी ने पूर्व कुलपतियों का स्मरण किया। इस कार्यक्रम में समस्त अध्यापक, छात्रगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

❖ **विश्वविद्यालय में नवागत कुलपति ने किया कार्यभार ग्रहण**

श्री मंगूभाई पटेल जी, मध्यप्रदेश राज्य के महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के आदेश से अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए कुलाधिपति द्वारा अपने प्रतिनिधि के रूप में विश्वविद्यालय के सुचारू संचालन एवं सुशासन व्यवस्थाओं को दृष्टिगत रखते हुए वेद एवं व्याकरण विभाग, कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर के प्रो. विजय कुमार सी.जी. मेनन को तत्काल प्रभाव से कार्यभार ग्रहण करने से 4 वर्ष के लिए कुलपति पद पर नियुक्त किया गया है। आदेश के तारतम्य में दिनांक 21.08.2021 को नवागत कुलपति ने कार्यभार ग्रहण किया।

❖ **वेदनारायण पूजन**

दिनाङ्क 22/08/2021, रक्षाबन्धन को संस्कृत दिवस के अवसर पर नवागत कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. तथा कुलसचिव डॉ. दिलीप कुमार सोनी जी के संयोजन में वेद-पूजन के कार्यक्रम का आयोजन किया।

❖ **हिन्दी दिवस**

दिनांक 14 सितंबर 2021 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. जी ने की। आयोजित कार्यक्रम का संयोजन विश्वविद्यालय के छात्रों के द्वारा किया गया। छात्रों ने स्वरचित विविध कविताओं का पाठ किया। शोध छात्रों ने व्याख्यान प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के समापन में विश्वविद्यालय के अध्यापकों ने भी विचार व्यक्त किये। कुलसचिव डॉ. दिलीप कुमार सोनी ने भी छात्रों का मार्गदर्शन किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीय कुलपतिजी ने हिन्दी के प्रचारप्रसार में लगे अन्य भारतीय भाषाओं के विद्वानों का स्मरण किया और छात्रों को उनके व्याख्यान और कविताओं की प्रशंसा की।

Scanned with CamScanner

❖ **भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस पर कार्यक्रम**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय देवास मार्ग उज्जैन में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए माननीय कुलपति जी ने प्रधानमंत्री जी के राष्ट्र के हितार्थ, सिद्धांतों और संस्मरणों को मंच से साक्षा किया। कार्यक्रम में डॉ. तुलसीदास परौहा, डॉ पूजा उपाध्याय, डॉ. अखिलेश द्विवेदी, डॉ उपेन्द्रभार्गव, डॉ शुभम शर्मा, डॉ सङ्कल्प मिश्र आदि ने सम्बोधित किया।

❖ **संस्कृत गौरववर्द्धन कार्यक्रम**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में दिनांक 04.09.2021 को संस्कृत गौरववर्द्धन कार्यक्रम का आयोजन माननीय कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें संस्कृत विषय के संवर्द्धन हेतु कुलपति जी द्वारा विचार व्यक्त किये गये। जिससे संस्कृत गौरववर्द्धन के वाहक विश्वविद्यालय के छात्र बने। उक्त कार्यक्रम में समस्त विभागों के प्राध्यापक एवं अतिथि प्राध्यापकों सहित छात्र की उपस्थिति मान्य रही।

❖ **शिक्षक दिवस का आयोजन**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में दिनांक 06.09.2021 को माननीय कुलपति जी अध्यक्षता में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें कुलपति प्रो. विजय कुमार सी. जी. द्वारा बताया गया कि शिक्षक ही राष्ट्र के उत्थान का वृक्ष है तथा छात्र उनकी शाखा है। छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षक सदैव छात्र को प्रेरित करता है तथा उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। इस कार्यक्रम में छात्रों द्वारा समस्त प्राध्यापकों एवं अतिथि प्राध्यापकों का सम्मान किया गया। जिसमें मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. दिलीप कुमार सोनी, विश्वविद्यालय समन्वयक, जनसंपर्क अधिकारी, अकादमिक शाखा, गोपनीय शाखा, वित्त शाखा, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी आदि उपस्थिति रहें।

❖ **तन्नोदंती प्रचोदयात विषय पर व्याख्यान**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में दिनांक 10.09.2021 तन्नोदंती प्रचोदयात विषय पर डॉ. भरतभूषण रथ, सहायक प्राध्यापक राष्ट्रीय संस्कृत

Scanned with CamScanner

विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। जिसमें माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता रही।

❖ **विश्वविद्यालय का सांस्कृतिक भ्रमण**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में दिनांक 27.09.2021 को विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक भ्रमण हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया।

❖ **देवालय वास्तु सर्वेक्षण**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में दिनांक 27.09.2021 को विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक भ्रमण हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया।

❖ **हिन्दी दिवस का आयोजन**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में हिंदी दिवस के अवसर पर प्रो. विजय कुमार सी.जी. उपस्थित रहे तथा व्याख्यान प्रो. प्रेमलता चुटेल, विभागाध्यक्ष हिन्दी अध्ध्यायशाला, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा दिया।

❖ **भारतीय ज्योतिष**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में दिनांक 17.09.2021 को भारतीय ज्योतिष (खगोलशास्त्र) में गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम की अध्यक्षता के रूप प्रो. विजय कुमार सी.जी. उपस्थित रहे।

❖ **संस्कृत विषय पर व्याख्यान**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन एवं संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्द्धन केंद्र, उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में विशेष व्याख्यान का कार्यकम दिनांक 20.09.2021 **"संस्कृते विज्ञानम्"** विषय पर आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि सहित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. विजय कुमार सी.जी. द्वारा की गई।

❖ **राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम का आयोजन**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्थापन दिवस कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 24.9.2021 को किया। स्थापना दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य परिक्षण, वृक्षारोपण एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया। पदाधिकारियों सहित रासेयो के छात्रों की उपस्थिति रही।

Scanned with CamScanner

❖ **मुखं व्याकरणं स्मृतम् कार्यक्रम का आयोजन**

दिनांक 18.9.2021 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में वेद एवं व्याकरण विभाग द्वारा "मुखं व्याकरणं स्मृतम्" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. पंकज व्यास, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, व्याकरण विभाग, तिरुपति रहे एवं अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा की गई।

❖ **भगतसिंह जयंती का आयोजन**

दिनांक 28.9.2021 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में शहीद भगतसिंह जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अवसर विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, अतिथि प्राधयापकों, कर्मचारियों एवं छात्रों की उपस्थिति रही।

❖ **गाँधी जयंती का आयोजन**

दिनांक 02.10.2021 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में महात्मा गाँधी जयंती के अवसर पर माननीय कुलपति जी ने अपने विचारों कहा कि विचार-वाणी तथा कृति में समानता ही महापुरुषों के लक्षण है। कार्यक्रम के अवसर विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, अतिथि प्राधयापकों, कर्मचारियों एवं छात्रों की उपस्थिति रही।

❖ **नवरात्रि पर व्याख्यान का आयोजन**

दिनांक 07.10.2021 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में नवरात्र की शास्त्रीयता एवं वैज्ञानिकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके मुख्यवक्ता प्रो. भगवतशरण शुक्ल, व्याकरण विभाग, बीएचयू ने अपने संबोधन में कहा कि सम्पूर्ण ऋतु चक्र चैत्र संधि, आषाढ संधि, अश्विन एवं पौष संधि में नवरात्रि व्रत रखने से बुद्धि की शुद्धि तथा विचारों की उत्कृष्टता बढती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. विजय कुमार सी.जी. ने की। आभार डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी ने माना।

❖ **विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन**

दिनांक 12.10.2021 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के संस्कृत साहित्य एवं दर्शन विभाग द्वारा मृगपक्षीशास्त्र विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्यवक्ता संस्कृत अकादमी, हैदराबाद की उपनिदेशिका प्रो. के. वरलक्ष्मी जी ने कहा कि हंसदेव विरचित मृगपक्षीशास्त्रम् प्राचीन जन्तुविज्ञान का एक

Scanned with CamScanner

❖ **संगोष्ठी का आयोजन**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के संस्कृत साहित्य एवं दर्शन विभाग द्वारा भारयीय षडदर्शनों की जीवन में उपादेयता पर केन्द्रित संगोष्ठी का आयोजन किया गया। डॉ. मीनाक्षी जोशी, सहायक प्राध्यापक, भारतीय दर्शन, इलाहबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थित रही तथा संयोजक डॉ. तुलसीदास परौहा रहे। आभार कार्यक्रम सह-संयोजक डॉ. शिवानन्द मिश्र ने माना।

❖ **संगोष्ठी का आयोजन**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में दिनांक 11.01.2022 को विशिष्ट संस्कृत विभाग द्वारा नाट्यम नाट्यनुभवश्च विषय पर माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता रही जिसमें मुख्यवक्ता प्रो. विभा क्षीरसागर, संस्कृत विभागाध्यक्ष, सी.पी. एंड वेरार महाविद्यालय नागपुर, महाराष्ट्र द्वारा व्याख्या दिया गया। आभार डॉ. तुलसीदास परौहा ने माना।

❖ **विवेकानन्द जयन्ती-युवा दिवस**

दिनांक 12 जनवरी 2022 को विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द जी के जन्म दिवस (राष्ट्रीय युवा दिवस) के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. ने की तथा विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय के शिक्षकगण भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। स्वामी विवेकानंद जी की दृष्टि में बौद्धिक स्वतंत्रता पर व्याख्यान योग विभाग द्वारा आयोजित किया गया। जिसके मुख्य वक्ता श्री लोकेन्द्र शर्मा, उज्जैन द्वारा प्रदान दिया गया।

❖ **व्याख्यान का आयोजन**

दिनांक 12 जनवरी 2022 को विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द जी के जन्म दिवस (राष्ट्रीय युवा दिवस) के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

❖ **गणतन्त्र दिवस**

दिनाङ्क 26/01/2022 को गणतन्त्र दिवस के अवसर पर महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय परिसर में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. दिलीप कुमार सोनी, विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं अतिथि प्राध्यापक, कर्मचारी तथा छात्रगण उपस्थित रहे। ध्वजवन्दन के उपरान्त विश्वविद्यालय परिवार को सम्बोधित करते हुए

Scanned with CamScanner

कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. ने कहा कि हमारे संस्कृत क्षेत्र में गणतन्त्र की अवधारणा कोई नवीन बात नहीं है। वैदिक काल में ही गणतन्त्र का स्वरूप स्पष्ट हो चुका था। हमारा विश्वविद्यालय निश्चय ही अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करेगा। अपने उद्बोधन में कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. ने समस्त विश्वविद्यालय परिवार को गणतन्त्र दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

❖ पर्यावरण संरक्षण पर परिचर्चा

दिनाङ्क 29/01/2022 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण पर परिचर्चा आयोजित की गयी। परिचर्चा में अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण का चिन्तन तो हमारी संस्कृति के मूल में है। सम्पूर्ण वैदिक वाङ्मय प्रकृति की गोद में फला-फूला है। विश्व को पर्यावरण संरक्षण का सन्देश देने वाले हमारे इसी संस्कृत जगत् के पूर्वज रहे होंगे। कुलसचिव डॉ. दिलीप कुमार सोनी ने कहा कि हम सब मिलकर सर्वप्रथम अपने परिसर से ही पर्यावरण संरक्षण का कार्य प्रारम्भ करेंगे।

❖ शहीद दिवस

दिनाङ्क 30/01/2022 को महात्मा गांधी की पुण्य तिथि शहीद दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. के नेतृत्व में विश्वविद्यालय परिवार द्वारा गांधीजी के सम्मान में दो मिनिट मौन रखकर उनके चरणों में श्रद्धांजलि समर्पित की। पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ. दिलीप कुमार सोनी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. ने कहा कि आत्मनिर्भरता, स्वदेशी आदि विचार गांधीजी ने उस समय कहे, यह उनकी दूरदृष्टि थी। गांधीजी सदैव पर्यावरण संरक्षण की बात करते थे। कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. ने विश्वविद्यालय परिवार को मद्यनिषेध के पालन तथा प्रचार की शपथ दिलाई।

❖ सिकल सेल एनीमिया परीक्षण शिविर

दिनाङ्क 01/02/2022 को माननीय राज्यपाल जी की महत्वकांक्षी चिंतन परियोजना पर आधारित एनीमिया उन्मूलन के अंतर्गत महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा सिकल सेल एनीमिया परीक्षण शिविर का आयोजन रतलाम जिले के बाजना तहसील के ग्राम कुन्दनपुर में किया गया। जिसमें स्थानीय चिकित्सा विभाग के साथ परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के

Scanned with CamScanner

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. उपेन्द्र भार्गव एवं छात्रगणों ने तीन शिविर आयोजित कर कुल 400 से अधिक परिक्षण किये।

❖ **वसन्तोत्सव**

दिनाङ्क 05/02/2022 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में वसन्तपञ्चमी के अवसर पर भगवती सरस्वती की पूजन के साथ वसन्तोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अन्तर्गत काव्यपाठ तथा भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गयीं। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. ने छात्रों को शुभकामना प्रेषित कर कहा कि वसन्तपञ्चमी ऋतु परिवर्तन का दिवस है। इस दिन प्रकृति भी हँसती है।

❖ **राष्ट्रीय संस्कृत चलचित्रोत्सव सप्ताह**

दिनाङ्क 22 से 28 फरवरी 2022 तक महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन, कालिदास संस्कृत अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय संस्कृत चलचित्रोत्सव सप्ताह का आयोजन माननीय उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव की मुख्य आतिथ्य में शुभारम्भ किया गया। राष्ट्रीय संस्कृत चलचित्रोत्सव सप्ताह आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत चलाया गया।

❖ **गोद ग्राम में निःशुल्क संस्कृत प्रशिक्षण सम्भाषण शिविर**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा दिनांक 2/03/2022 से 7/03/2022 तक स्वछता अभियान के अंतर्गत ग्राम मानपुरा में कार्यक्रम अधिकारी के नेतृत्व में किया गया।

❖ **अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में दिनांक 7-8 मार्च 2022 को अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा के अंतर्गत शास्त्र स्पर्धा में 5 छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

❖ **अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा दिनांक 08.03.2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन माननीय कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. की अध्यक्षता में किया गया।

❖ **शैक्षणिक भ्रमण**

दिनाङ्क 16/03/2022 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के **ज्योतिष एवं ज्योतिर्विज्ञान विभाग** के छात्रों तथा शिक्षकों के दल ने जीवाजी वैद्यशाला, उज्जैन

Scanned with CamScanner

का शैक्षिक भ्रमण किया। जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति सहित अन्य सभी प्राध्यापक एवं छात्र उपस्थित थे। दल में विभागीय आचार्यों डॉ. शुभम् शर्मा, डॉ. उपेन्द्र भार्गव, डॉ. विजयकुमार, श्री विनोदकुमार पाण्डेय, डॉ. योगेश कुमार के साथ 24 छात्रों ने सहकार किया। यहाँ छात्रों ने शासकीय वेधशाला में स्थित विशाल टेलिस्कोप का दर्शन कर उसके प्रयोग के विषय में जाना। वैद्यशाला में जानकारी प्रदान करने के लिए अधीक्षक श्री राजेंद्र गुप्त विशेष रूप उपस्थित रहे।

❖ **तृतीय दीक्षान्त समारोह**

दिनाङ्क 25/03/2022 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के तृतीय दीक्षान्त समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य विजय कुमार सी.जी के अनुसार माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगूभाई पटेल, मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव, विशिष्ट अतिथि के रूप में उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र के सांसद श्री अनिल फिरोजिया एवं उज्जैन उत्तर विधायक श्री पारसचन्द्र जैन, सारस्वत अतिथि प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नईदिल्ली रहे। विश्वविद्यालय का कार्य क्षेत्र सम्पूर्ण मध्यप्रदेश है। विश्वविद्यालय से 20 शासकीय/ अशासकीय महाविद्यालय सम्बद्ध है। इस कार्यक्रम में 42 छात्र-छात्राओं को उपाधि तथा मैडल प्रदान किये गये। इस कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. दिलीप कुमार सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे तथा आभार व्यक्त किया।

❖ **अम्बेडकर जयंती**

दिनाङ्क 14/04/2022 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर माननीय कुलपति विजय कुमार सी.जी. की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार सहित छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों द्वारा श्रद्धांजलि स्वरुप पुष्प अर्पित किये।

❖ **विश्व पर्यावरण दिवस**

दिनांक 05/06/22 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्य किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. ने विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन के समीप में बरगद का वृक्ष लगाकर पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया। इस अवसर पर माननीय कुलपतिजी ने कहा कि संस्कृत साहित्य एवं भारतीय विद्याओं में प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के जो सरल सहज एवं

Scanned with CamScanner

नैसर्गिक उपाय बताए गए हैं हमें उनका अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने वराहमिहिर के ग्रन्थ बृहत्संहिता में वर्णित वृक्षायुर्वेद का विशेष रूप से उल्लेख किया। वृक्षों के महत्त्व एवं स्वभाव को साहित्य के आलोक में समझने का आग्रह किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. दिलीप कुमार सोनी, विभागाध्यक्ष डॉ. तुलसीदास परौहा, एन.एस.एस.प्रभारी डॉ. उपेन्द्र भार्गव एवं छात्रवृत्ति प्रभारी डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी उपस्थित रहे। व्यवस्थापन श्री केशव श्रोत्रिय, श्री शंकर सिंह खीची, श्री देवीसिंह, श्री महेंद्र बाघेला, श्री योगेन्द्र कुशवंसी ने किया।

❖ **बिरसामुण्डा पुण्यतिथि**

दिनांक 08/06/22 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय परिसर में भारतीय आदिवासी स्वतन्त्रता सेनानी बिरसामुण्डा की पुण्यतिथि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

❖ **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस**

दिनाङ्क 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन, म०प्र० द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. द्वारा विभिन्न रोगों के उपचार में योग के महत्व पर प्रकाश डाला गया। आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सामुहिक योग अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन योग विभाग द्वारा किया। जिसमें योग भूषण सम्मान प्राप्त डॉ. रामप्रसादा मालाकार तथा डॉ. हरिमोहन बुधोलिया, पूर्व आचार्य हिंदी विभाग, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन विशेष रूप से उपस्तिथ रहे।

विश्वविद्यालयीन प्रकाशन

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा शोध, अनुसंधान एवं गवेषणा की प्रवृत्ति को वढ़ाने के उद्देश्य से त्रैमासिक सान्दर्भिकशोधपत्रिका **पाणिनीया ISSN-2321-7626** का प्रकाशन नियमित रूप से किया जाता है। पत्रिका में संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी भाषा में लब्धप्रतिष्ठित विद्वानों के शोधालेख प्रकाशित किये जाते हैं।

विश्वविद्यालयीन ग्रन्थालय

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय परिसर में अध्ययनरत छात्रों, शोधार्थियों की अकादमिक सुविधा के लिए विश्वविद्यालय द्वारा समृद्ध ग्रन्थालय स्थापित किया गया है। ग्रन्थालय में छात्रों की सुविधा के लिये तथा शोध उद्देश्यों की पूर्ति के लिए वेद,व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, पुराण, इतिहास, उपनिषद् आदि के संस्कृत ग्रन्थ तथा सन्दर्भ ग्रन्थ, कोषग्रन्थ, आधुनिक ज्ञान विज्ञान एवं तकनीकि ग्रन्थ पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में

Scanned with CamScanner

विविध विषयों की 3500 से अधिक शीर्षक उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त प्रतियोगी तथा शोध पत्रिकाएँ भी प्राप्त की जा रही हैं। शोधोपयोगी सान्दर्भिक ग्रन्थों का क्रयण भी विचाराधीन है।

- **गोदग्राम**

विश्वविद्यालय द्वारा दो ग्राम गोद लिए गये हैं। ग्राम चन्देसरी (प्रेमनगर) तथा मानपुरा में शासकीय योजनाओं का प्रचार, जनजागरुकता कार्यक्रम तथा प्रशिक्षण वर्ग आदि के कार्य सुचारु हैं।

महाविद्यालयीन गतिविधियाँ

(1) शासकीय अभयानन्द संस्कृत महाविद्यालय, कल्याणपुर, जिला-शहडोल (म.प्र.)

महाविद्यालय में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह, अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस, शहीद दिवस, मतदाता दिवस, विश्व योग दिवस आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

(2) शासकीय संस्कृत महाविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

महाविद्यालय में स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस, संस्कृत सप्ताह, गांधीजयन्ती, सरस्वती जन्मोत्सव आदि कार्यक्रमों का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत व्याख्यान का आयोजन किया गया। गोदग्राम में एन.एस.एस. द्वारा पौधारोपण किया गया। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. बालकृष्ण शर्मा की दो पुस्तकों, कोरोना-कोपशतकम् तथा ध्वनिप्रकाशे मुक्तकविमर्शः का प्रकाशन हुआ। छात्रों ने सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं अन्य सहगामी कार्यक्रमों में भाग लेकर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

(3) शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, भितरी, जिला-सीधी (म.प्र.)

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह, गीता जयन्ती, विवेकानन्द जयन्ती, विश्व योग दिवस तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

(4) नगर निगम श्री लोकनाथ शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, गोविन्दगंज, जबलपुर (म.प्र.)

महाविद्यालय में इस सत्र में प्रवेश उत्सव, स्वतन्त्रता दिवस, शिक्षक दिवस, गांधी जयन्ती, शिक्षण संगोष्ठी, शैक्षणिक भ्रमण, वृक्षारोपण कार्यक्रम, गुरुपूर्णिमा महोत्सव आदि का आयोजन किया गया।

(5) श्री रामनाम संस्कृत महाविद्यालय, अक्षयवट, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह, सम्भाषण शिविर, रामनवमी पर्व, वाल्मीकि समारोह आदि विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये ।

(6) शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, देवेन्द्रनगर, पन्ना (म.प्र.)

महाविद्यालय में स्वतन्त्रता दिवस, गांधी जयन्ती, युवा दिवस, संविधान दिवस तथा विभिन्न क्रीडा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

Scanned with CamScanner

(7) शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, इन्दौर (म.प्र.)

शासकीय संस्कृत महाविद्यालय इन्दौर में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम, शिक्षक अभिभावक योजना, पूर्व छात्र संगठन, संस्कृत सप्ताह, गुरु पूर्णिमा, तुलसी जयन्ती, सद्भावना दिवस, पर्यावरण संरक्षण आदि अनेक कार्यक्रमों तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विवेकानन्द करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा ऑनलाइन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मास्क जागरुकता, नशामुक्त भारत अभियान आदि कार्य किये गये। विश्वविद्यालय के युवमहोत्सव में महाविद्यालय के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

(8) श्री मानमल मीमराज रुइया, शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

महाविद्यालय में स्वतन्त्रता दिवस, संस्कृत सप्ताह, शिक्षक दिवस, मतदाता जागरुकता दिवस, वसन्त उत्सव, संविधान दिवस, सुशासन दिवस आदि विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के छात्रों ने विश्वविद्यालय के युवमहोत्सव में सहभागिता की। नशामुक्ति अभियान, गुणवत्ता विकास कार्यशाला, आजादी का अमृत महोत्सव आदि का आयोजन किया गया।

(9) ऋषि कुमार संस्कृत महाविद्यालय, पीली कोठी, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

(10) शासकीय रामानंद संस्कृत महाविद्यालय, लालघाटी, भोपाल (म.प्र.)

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह सम्बन्धी गतिविधियाँ, श्लोकपाठ, संस्कृत भाषण आदि के साथ विवेकानन्द करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की गतिविधियाँ सञ्चालित हुईं। एन एस एस द्वारा बररखा गोद ग्राम में कार्य किये गये।

(11) श्री गणेश दिगम्बर जैन संस्कृत महाविद्यालय, सागर (म.प्र.)

महाविद्यालय द्वारा संस्कृत, प्राकृत तथा पाली भाषाओं के प्रचार प्रसार के साथ विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन किये गये।

(12) श्री रावतपुरा सरकार संस्कृत महाविद्यालय, रावतपुरा धाम (म.प्र.)

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह, स्वतन्त्रता दिवस, शिक्षक दिवस, गांधी जयन्ती आदि पर्व मनाये गए। महाविद्यालय में विभिन्न क्रीडा तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। शिक्षक दिवस पर सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान किया गया। छात्रों को अयोध्या के शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाया गया।

(13) श्री गणेश संस्कृत महाविद्यालय, गढ़ाकोटा, जिला सागर (म.प्र.)

महाविद्यालय में विभिन्न गतिविधियों का ऑनलाइन सञ्चालन किया गया।

Scanned with CamScanner

(14) शासकीय वेंकट संस्कृत महाविद्यालय, लालघाटी, भोपाल (म.प्र.)

महाविद्यालय में वसन्तपञ्चमी पर सरस्वती पूजन आदि गतिविधियाँ सञ्चालित हुईं।

(15) श्री पीताम्बरा पीठ संस्कृत महाविद्यालय, दतिया, (म.प्र.)

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह, शिक्षक दिवस, गांधी जयन्ती, लालबहादुर शास्त्री जयन्ती, धन्वन्तरी जयन्ती, गीता जयन्ती, युवा महोत्सव, माँ पीताम्बरा जयन्ती आदि विभिन्न गतिविधियों का सञ्चालन किया गया। दशदिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का सञ्चालन भी किया गया।

(16) शासकीय पुरुषोत्तम संस्कृत महाविद्यालय, खजुरीताल सतना (म.प्र.)

महाविद्यालय में स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस आदि पर्व मनाये गये तथा विभिन्न क्रीडा एवं सांस्कृतिक गतिविधिओं का आयोजन किया गया।

वार्षिक वित्तीय प्राक्कलन

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

उपयोगिता प्रमाण-पत्र

वर्ष 2021-22

मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग/आयुक्त, उच्च शिक्षा, भोपाल द्वारा निम्नानुसार खण्ड संधारण अनुदान जो कि इस विश्वविद्यालय को वर्ष 2021-22 के लिए राशि 227.33 लाख इस विश्वविद्यालय के लिए स्वीकृत किया गया है। जिसमें से राशि रुपये 227.33 लाख ही बैंक में जमा किये गये।

प्रमाणित किया जाता है कि रुपये 227.33 लाख का उपयोग जिस कार्य हेतु प्रदान किया गया था, उसे उसी कार्य में उपयोग किया गया है-

क्र.	विवरण आय	राशि (लाख में)	क्र.	विवरण आय	राशि (लाख में)
1.	शासन द्वारा प्राप्त	227.33	1.	अधिकारियों/शिक्षकों एवं कर्मचारियों का वेतन	166.80
			2.	जी.पी.एफ., वृत्तिकर एवं समूह बीमा	4.70
			3.	आयकर	26.03
			4.	परीक्षा	9.24
			5.	बेवसाइट	1.09
			6.	स्टेशनरी	1.03
			7.	वाहन संधारण	.39
			8.	न्यूज पेपर	.11
			9.	यात्रा भत्ता	.88
			10.	प्रिंटिंग	3.55
			11.	फोटोकॉपी	.28

Scanned with CamScanner

			12.	कुलपति निवास किराया	2.05
			13.	विविध	2.62
			14.	पेट्रोल	1.64
			15.	विद्युत	.99
			16.	पुस्तक / पत्रिका	.23
			17.	योग भवन निर्माण	45.14
			18.	मानदेय (कुलपति चयन, कार्यपरिषद्, (अन्य)	1.24
			19.	अखिल भारतीय प्रतियोगिता	1.03
			20.	संस्कृत सप्ताह	.06
			21.	शिक्षा संस्कृति	.46
			22.	जूम प्लान	.16
			23.	मोबाईल	1.29
			24.	थममशीन	.14
			25.	बैटरी	.29
			26.	लेपटॉप	2.98
			27.	यू.पी.एस.	.78
			28.	वाशिंग मशीन	.49
			29.	टैक्सी किराया	.29
			30.	कानून व्यय	.25
			31.	टेलीफ़ोन	.55
			32.	सी.ए.	.03
			33.	संगोष्ठी	.24
			34.	एन.एस.एस.	0
			35.	कंप्यूटर संधारण	2.31
			36.	कर्मचारी भविष्य निधि संगठन	6.37
			37.	पारिश्रमिक	30.73
			38.	अतिथि शिक्षक वेतन	36.22
			39.	आउटसोर्स	13.51
			40.	दीक्षान्त	2.11
				कुल योग	**368.30**
				अवशेष राशि (-)	**140.97**
	योग	**227.33**		**योग**	**227.33**

उपयोगिता प्रमाण-पत्र दिनांक 01-04-2021 से 31-03-2022 तक का है।

कुलसचिव

Scanned with CamScanner

उपसंहार

प्रतिवेदनाधीन वर्ष में राज्यपाल सचिवालय, मध्यप्रदेश शासन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, समस्त सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य, महाविद्यालयों के शिक्षक और छात्र, समाचार पत्रों, विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार के नागरिकगणों, विश्वविद्यालय अध्यापन विभागों के अध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्राप्त सहयोग और सहायता के लिये विश्वविद्यालय कृतज्ञता ज्ञापित करता है।

कुलसचिव

Scanned with CamScanner